// प्रेस–विज्ञप्ति //

उपलब्धियों भरा रहा कुलसचिव के कार्यकाल का द्वितीय वर्ष

प्रो0 आनंद मिश्रा ने कुलसचिव के रूप में 27.04.2010 को जीवाजी विश्वविद्यालय में अपने कैरियर की दूसरी पारी प्रारंभ की थी विगत दो वर्षों में माननीय कुलपति प्रो0 एम0 किदवई के मार्गदर्शन में कुलसचिव प्रो0 आनंद मिश्रा के सतत् प्रयासों के फलस्वरूप विश्वविद्यालय उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है विगत एक वर्ष में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार हैः–

1. विश्वविद्यालय की विधि संस्थान में 01 प्रोफेसर, 01 एसोसिएट प्रोफेसर, 03 असिस्टेंट प्रोफेसर की पद स्थापना हुई जिससे बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा अधिरोपित एक उल्लेखनीय शर्त की पूर्ति की जा सकी।
2. फॉर्मेसी संस्थान हेतु भी शैक्षणिक संपर्क के 17 पदों का सृजन हो चुका है इन पदों के विरूद्ध नियुक्ति कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।
3. अशैक्षणिक पदों के बेकलॉग श्रेणी के 28 पदों के विरूद्ध कर्मचारियों की नियुक्ति कर विभिन्न विभागों में पदस्थापित किये जा चुके है।
4. विश्वविद्यालय के बढ़ते हुये कार्य को दृष्टिगत रखते हुए 314 पदों की मॉग की जा रही थी जिसके विरूद्ध 49 पदों के सृजन की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। शीघ्र ही इन पदों को भरने की कार्यवाही करली जावेगी।
5. विश्वविद्यालय की परीक्षाओं का संचालन शासकीय कैलेण्डर के अनुसार किया जा रहा है लगभग सभी परीक्षाएं समय–सीमा में पूर्ण कर समय पर परीक्षा परिणाम घोषित किये जा चुके है।
6. परीक्षा एवं प्रशासन संबंधी लगभग समस्त कार्य ऑनलाइन कर दिये गये है जिससें छात्रों को सामान्य कार्य यथा परीक्षा आवेदन करने, अंकसूची, उपाधि इत्यादि आवेदन करने के लिए विश्वविद्यालय आने की आवश्यकता नहीं रह गई है वे अपने नेटिव टाउन से सीधे बैंक के माध्यम से शुल्क जमा कर ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकते है इस क्रम एक महत्वपूर्ण कढ़ी के रूप में विश्वविद्यालय ने दूरस्थ क्षेत्र (गुना) में विश्वविद्यालय सहायता केन्द्र स्थापित किया जा चुका है। इस केन्द्र के संचालन से गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, इत्यादि क्षेत्रों के छात्र/छात्राओं को अपने कार्यों हेतु विश्वविद्यालय आने की आवश्यकता नहीं रह जाएगी।
7. विश्वविद्यालय में संचालित समस्त पाठ्यक्रमों के अध्यादेश तैयार कर समन्वय समिति से अनुमोदन किये जा चुके है।
8. जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्यप्रदेश का ऐसा पहला विश्वविद्यालय है जिसमें पी0एचडी0 करने हेतु लिखित प्रवेश परीक्षा आयोजित कर छात्र/छात्राओं को विशेष अवसर प्रदान किये है।
9. विश्वविद्यालय की परीक्षाओं के संचालन हेतु केन्द्रीय मूल्यांकन भवन का निर्माण एवं प्रशासकीय भवन का विस्तार किया गया है जिससे विभिन्न विभागों एवं परीक्षा कार्य का संचालन किया जाएगा।
10. कुलसचिव के कार्यकाल में छात्र/छात्राओं के द्वारा किसी प्रकार का असंतोष व्यक्त नहीं किया गया है।

tulEid vf/kdkjh